an>

Title: Need to establish a Kendriya Vidyalaya in Chatra district, Jharkhand.

श्री सुनील कुमार सिंह (चतरा) ः मैं सरकार का ध्यान एक अति महत्वपूर्ण विषय की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। केंद्रीय विद्यालय संगठन का मुख्य उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के सामान्य कार्यक्रम के तहत शिक्षा प्रदान कर उनकी शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करना तथा बच्चों में राष्ट्रीय एकता एवं भारतीयता की भावना का विकास करना है। इस मिशन को प्राप्त करने के लिए पिछड़े क्षेत्रों में भी जिले में कम से कम एक केंद्रीय विद्यालय स्थापित किया जाना चाहिए। मेरे द्वारा लोक सभा में पूछे गए एक अतारांकित प्रश्न के जवाब में दिनांक 18-07-2016 को बताया गया कि देश के 160 जिलों में केन्द्रीय विद्यालय नहीं है। झारखंड राज्य के आठ जिलों में केंद्रीय विद्यालय नहीं है, जिनमें मेरे संसदीय क्षेत्र का चतरा जिला भी एक है। जबकि चतरा में एन.टी.पी.सी. और सी.सी.एल. कंपनियों से संबंधित विभिन्न इकाइयाँ चल रही हैं। इसके अतिरिक्त केंद्रीय सेवा क्षेत्र की खासकर अर्द्ध-सैनिक बल और सेना में हजारों की संख्या में यहाँ के लोग कार्यरत हैं। चतरा जिला अत्यंत पिछड़ा और वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र है, परंतु चतरा जिले में एक भी केंद्रीय विद्यालय नहीं है।

मेरे द्वारा केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री जी को दिनांक 14 जुलाई, 2015 को पत्र लिखकर चतरा में केंद्रीय विद्यालय खोलने की माँग की गई थी। दिनांक 31 जनवरी, 2016 को श्री उपेन्द्र कुशवाहा, राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्री जी द्वारा सरकारी दौरे पर चतरा आगमन पर प्रेस वार्ता के दौरान चतरा में जल्द केंद्रीय विद्यालय स्वीकृत करने का आश्वासन दिया गया था, जो अखबारों में प्रमुखता से छपा था। मेरे द्वारा लोक सभा में पूछे एक अतारांकित प्रश्न संख्या 85 के जवाब में दिनाँक 18.08.2016 को बताया गया था कि झारखण्ड राज्य से चतरा एवं एक जिले में केंद्रीय विद्यालय खोलने की माँग लम्बित है।

अतः मैं भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय से माँग करता हूँ कि चतरा जिले में केंद्र प्रायोजित एक केंद्रीय विद्यालय स्वीकृत कर उसे शीघ्र खुलवाने की व्यवस्था की जाए, जिससे इस पिछड़े क्षेत्र के बालक-बालिकाओं को अच्छी शिक्षा प्राप्त हो सके और समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जा सके।